नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

घुसपैठ पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की टिप्पणियां केवल किसी एक याचिका या एक समुदाय पर टिप्पणी नहीं थीं; वे उस व्यापक राष्ट्रीय संकट की ओर संकेत थीं, जिसकी अनदेखी भारत अब और नहीं कर सकता. रोहिंग्या नागरिकों के बंदी प्रत्यक्षीकरण से संबंधित मामले की सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश का सवाल कि 'क्या घुसपैठियों का लाल कालीन बिछाकर स्वागत करें?'

दरअसल, भारत की आंतरिक सुरक्षा, अर्थव्यवस्था, और सामाजिक संतुलन से जुड़ी सबसे गंभीर बहस का केंद्र है. मुख्य न्यायाधीश ने बेहद सख्त शब्दों में कहा कि जो लोग सुरंग खोदकर, तार काटकर या अन्य गैर-कानूनी तरीकों से भारत में घुसते हैं, वे बाद में यह दावा नहीं कर सकते कि अब भारत के सभी कानून उन्हें विशेष संरक्षण दें. यह टिप्पणी केवल शब्दों का शोर नहीं, बल्कि उन सुरक्षा एजेंसियों की वास्तविक चिंताओं का प्रतिबिंब है जो वर्षों से अवैध घुसपैठ को राष्ट्रीय सुरक्षा की सबसे बड़ी कमजोरियों में से एक मानती रही हैं. रोहिंग्याओं का मुद्दा सिर्फ मानवाधिकार का प्रश्न नहीं, बल्कि कई शहरों में संगठित अपराध, नकली दस्तावेज़ रैकेट, हथियार व ड्रग्स नेटवर्क और कट्टरपंथी संगठनों की संभावित पैठ से गहराई से जुड़ा है. खुफिया एजेंसियों ने भी बार-बार चेताया है कि बड़े पैमाने पर बांग्लादेशी और रोहिंग्या आबादी का अनियंत्रित प्रवेश भविष्य में जनसांख्यिकीय तनाव, स्थानीय संसाधनों पर अत्यधिक दबाव, और राजनीतिक ध्रुवीकरण को जन्म दे सकता है.

मुख्य न्यायाधीश ने एक महत्वपूर्ण तथ्य की ओर भी ध्यान दिलाया कि भारत के अपने करोड़ों गरीब नागरिक रोज़मर्रा की मूलभूत समस्याओं से जूझ रहे हैं. ऐसे में अदालत ने पूछा कि क्या घुसपैठियों को उन अधिकारों और सुविधाओं का लाभ दिया जाए जो अभी तक भारत का सामान्य नागरिक भी पूर्ण रूप से नहीं पा रहा? यह टिप्पणी वास्तव में कल्याणकारी राज्य की प्राथमिकताओं की व्यावहारिक व्याख्या है. भारत की शरणार्थी नीति अस्पष्ट है क्योंकि देश ने अभी तक 1951 रिफ्यूजी कन्वेंशन पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं. ऐसे में अदालत का सवाल स्वाभाविक है कि केंद्र सरकार ने क्या कभी रोहिंग्याओं को शरणार्थी घोषित किया है? यदि नहीं, तो राज्यों पर उन्हें आश्रय देने का कानूनी दायित्व क्योंकर उत्पन्न होता है? यह सवाल पूरे प्रशासनिक ढांचे को एक स्पष्ट नीति बनाने की दिशा में झकझोरता है. दरअसल, जब अवैध आबादी किसी शहर में बसती है, तो स्थानीय रोजगार पर दबाव बढ़ता है, मजदूरी कम होती है और स्वास्थ्य-शिक्षा सुविधाओं पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है. इसके अलावा कई जगहों पर अपराध का ग्राफ बढ़ जाता है.

जाहिर है यह सब मिलकर देश की अर्थव्यवस्था पर अदृश्य कर की तरह असर डालता है. भारत जैसे विशाल लेकिन संसाधनों की सीमाओं से जूझते देश के लिए यह स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण है. भारत एक मानवीय राष्ट्र है, लेकिन मानवीयता और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच संतुलन अनिवार्य है. सुप्रीम कोर्ट ने इसी संतुलन की याद दिलाई है. घुसपैठ का संगठित रूप से मुकाबला करना, सीमा प्रबंधन मजबूत करना, और एक स्पष्ट राष्ट्रीय शरणार्थी नीति बनाना समय की जरूरत है. 16 दिसंबर को होने वाली अगली सुनवाई इस बहस को दिशा दे सकती है, लेकिन देश के सामने संदेश स्पष्ट है कि अवैध घुसपैठ सिर्फ सुरक्षा नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, सामाजिक सौहार्द और प्रशासनिक संसाधनों के लिए भी बड़ा खतरा है. जाहिर है इस खतरे से निपटने के लिए अब भारत को निर्णायक कदम उठाने ही होंगे.

शराबबंदी पर देशव्यापी बहस की आवश्यकता

नशे में हिंसा करते हैं मर्द

बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में कर्नाटक के कोने-कोने से आई हजारों महिलाओं ने मांग की कि शराब पर पाबंदी लगाई जाए और अवैध बिक्री के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए. इस राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन का आयोजन अनेक महिला संगठनों ने संयुक्त रूप से किया था.

इस प्रदर्शन में गुन्जाहल्ली, रायचुर से लक्ष्माम्मा भी मौजूद थीं अपने 18 वर्षीय पोते का फोटो लिए हुए, जिसे अव शराब की लत पड़ गई है. उनका कहना है 'हर दिन इस डर से आरंभ होता है कि घर का कोई मर्द शराब के नशे में धुत होकर लौटेगा और फिर से हम महिलाओं की पिटाई करेगा.' शराब की वजह से उन्होंने अपने पति को खोया, बेटे को इसकी लत में पड़ते हुए देखा और अब उसी रास्ते पर अपने पोते को चलते हुए देख रही हैं, शराब से राज्य सरकारों के पास अच्छा खासा राजस्व आता है, जिसे वह खोना नहीं चाहती. जिन राज्यों में शराबबंदी है, जैसे गुजरात व बिहार, उनमें शराब की अवैध बिक्री होती है, नकली शराब से मौतों की अक्सर खबरें सामने आती रहती हैं, इसलिए शराबबंदी हटाने की मांग उठती रहती है.

बहरहाल, फ्रीडम पार्क में जो गुस्सा देखने को मिला वह नया नहीं था. 30 से अधिक संगठनों ने मिलकर मद्य निषेध आंदोलन पिछले लगभग दस वर्षों से चलाया हुआ है. इनके प्रमुख विशाल प्रदर्शन 2016, 2018, 2019, 2023 और अब 2025 में हो चुके हैं. इसके अतिरिक्त छोटे छोटे प्रदर्शन तहसील व जिला स्तर पर सालभर जारी रहते हैं. इसके बावजूद महिलाओं का कहना है कि कुछ भी परिवर्तन नहीं आया है.

फ्रीडम पार्क में सिंधनूर से महबूबा फिरदौस भी आई हुई थीं. उन्होंने बताया, 'शराब के नशे में मेरे बेटे मुझे पीटते हैं. कोई पड़ोसी हस्तक्षेप नहीं करता. हम किसके पास जाए?' एक अन्य महिला ने अपना दुखड़ा इस तरह से सुनाया, 'मेरा बेटा शराब पीने के बाद अपनी पत्नी की पिटाई करता था. उसकी पत्नी उसे छोड़कर चली गई. इसके बाद भी उसने शराब पीना जारी रखा और एक दिन उसके शरीर ने उसका साथ छोड़ दिया. हमारे पास उसका दाह संस्कार करने के भी पैसे नहीं थे. महिलाओं ने बताया कि किस तरह शराब ने उन्हें कम आयु में विधवा कर दिया, बच्चों को घर चलाने के लिए मेहनत-मजदूरी करनी पड़ती है, घर कर्ज और गरीबी में डूब जाता है. फ्रीडम पार्क में प्रदर्शनकारी महिलाओं की मुख्य रूप से दो मांगें थीं शराब लाइसेंस पर ग्रामसभा के अधिकार को पुनः स्थापित किया जाए और गांव-स्तर की महिला निगरानी समितियां स्थापित की जाएं. हरियाणा, महाराष्ट्र व राजस्थान जैसे राज्यों में ग्रामसभा का निर्णय अंतिम होता है कि उनके कार्य क्षेत्र में शराब की दुकान खुल सकती है या नहीं.

कर्नाटक में यह प्रावधान 2016 तक जारी था, जब तत्कालीन सरकार ने उसे हटा दिया. प्रदर्शनकारी महिलाएं इस प्रावधान की बहाली चाहती हैं और वह भी सख्त नियमों के साथ कि 10 प्रतिशत ग्रामसभा सदस्यों को अनुमति को वीटो करने का अधिकार दिया जाए, जैसा कि कुछ राज्यों में है. इसके अतिरिक्त उनकी यह भी मांग है कि महिला समितियों को शराब का अवैध धंधा कर रहे घरों, किराने की दुकानों, स्टॉल्स या शेड्स बंद कराने का कानूनी अधिकार हो.

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने प्रदर्शनकारी महिलाओं से मुलाकात करने के बाद उनकी मांगों का संज्ञान लेने का आश्वासन दिया है. शराबबंदी पर अभी तक अनेक सर्वे हो चुके हैं. राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) के डाटा के अनुसार शराबबंदी के बाद शारीरिक या भावनात्मक हिंसा का सामना करने वाली महिलाओं का प्रतिशत काफी कम हुआ है. 2023 के सर्वे के मुताबिक, 70 प्रतिशत परिवारों ने माना है कि उनके घर के पुरुषों द्वारा शराब न पीने से उनकी आर्थिक स्थिति बेहतर हुई है. घर में शांति और सम्मान भी बढ़ा है.

- नरेंद्र शर्मा

देश में कहीं भी साफ हवा मौजूद नहीं

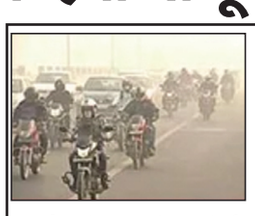

दिल्ली में सबसे ज्यादा वायु प्रदूषण है जो कि 2016 में 250 से ऊपर चला गया था. इस समय भी वह 180 है. मुंबई, विशाखापट्टनम, चेन्नई, व चंडीगढ़ में यह 80 से 140 के बीच है.

शुद्ध हवा की गुणवत्ता का मानक 0 से 50 एक्यूआई माना जाता है, जो देश में कहीं भी नहीं है. इमारतों के निर्माण (कंस्ट्रक्शन एक्टिविटी) से उठने वाली धूल व उद्योगों का धुआं, वाहनों का धुआं अपनी जगह है, लेकिन पड़ोसी राज्यों से फसल कटाई के बाद बचे ठूंठ (पराली) जलाने से उठने वाला धुआं दिल्ली के पर्यावरण को सबसे ज्यादा प्रदूषित करता है. धुआं और कोहरा मिलकर स्मॉग बन जाता है, जो ऊपर नहीं उठ पाता. ऐसी हवा में सांस लेने से लोगों को फेफड़े की बीमारी हो जाती है. हर व्यक्ति खांसता हुआ मिलेगा. पार्क में जाना या सुबह की सैर स्वास्थ्य सुधारने की बजाय बीमार कर देती है. दम घुटने लगता है. छोटे बच्चे भी इसे भुगतते हैं. जिसका घर, नौकरी, व्यवसाय वहां है वह दिल्ली छोड़कर जा भी नहीं सकता. दिल्ली के बाद लखनऊ, वाराणसी में वायु प्रदूषण का स्तर विगत वर्षों में 200 से ऊपर जाता रहा, लेकिन अब कुछ कम हुआ है. अहमदाबाद व पुणे भी स्वच्छ वायु के लिए तरस रहे हैं. वाहनों की तादाद बढ़ी है. उनके टायर घिसने से सूक्ष्मकण हवा में मिलते हैं जिसमें पर्टिकुलेट मैटर या पीएम बढ़ता है. भवन निर्माण में हर कहीं तेजी आई है. पुराने मकान तोड़कर बहुमंजिला इमारतें बन रही हैं. सड़कों का निर्माण भी जारी है इसलिए बड़ी मात्रा में धूल उड़कर हवा में समा जाती है. हरियाली कम हो रही है और वृक्ष कटते चले जा रहे हैं. वायु प्रदूषण का भूगोल से भी संबंध है. उत्तर भारत के शहरों में ठंड के मौसम में हवा ऊपर उठ नहीं पाती. हिमालय और गंगा के कछार के क्षेत्र में पड़ने वाले शहरों में कोहरा छाया रहता है. इसे विंटर इनवर्सन कहा जाता है. जहां ऊंची इमारतें हैं, वहां वायु का प्रवाह बाधित होता है. कोयले से चलने वाले बिजली घर हवा में काला धुआं और राख के कण छोड़ते हैं.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

दिल्ली डायरी

संचार साथी ऐप पर पक्ष व विपक्ष आमने-सामने

प्रवेश कुमार मिश्र

संसद शीतकालीन सत्र के आरंभिक दिनों से ही एसआईआर को लेकर चल रहा विरोध अब 'संचार साथी' मोबाइल ऐप को लेकर और प्रबल हो गया है. विपक्षी दलों ने सरकार को घेरते हुए आरोप लगाया है कि सरकार एक सोची-समझी रणनीति के तहत ऐप के माध्यम से जासूसी कराने के फिराक में हैं जबकि सरकार द्वारा स्पष्ट किया गया है कि इस ऐप को लाने के पीछे साफ मकसद है कि आम उपभोक्ताओं को साइबर फ्राड से बचाया जा सके.

सरकार ने स्पष्ट किया कि उपभोक्ता यदि चाहे तो इसे अपने फोन अपनी इच्छा से हटा भी सकते हैं. लेकिन सरकारी दलील को नकारते हुए विपक्षी नेताओं ने इस ऐप की तुलना इजरायल के पेगासस जासूसी मामले से करते हुए कहा है कि सरकार संचार साथी के माध्यम से निजता का हनन करना चाहती है.

झारखंड में राजनीतिक उठा-पटक शुरू

इंडिया समूह में बिखराव आरंभ होता दिख रहा है. महाराष्ट्र में जारी अंतर्कलह अभी खत्म भी नहीं हुआ था तभी झारखंड में राजनीतिक उठा-पटक आरंभ होते दिखने लगी है. चर्चा है कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने विश्वसनीय वार्ताकारों के माध्यम से भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ भाजपा व जेएमएम गठबंधन सरकार बनाने की रणनीति पर विचार विमर्श आरंभ कर दिया है. हालांकि कांग्रेस के कई वरिष्ठ रणनीतिकार डैमेज कंट्रोल के तहत दिल्ली से लेकर रांची तक गठबंधन सरकार बचाने के लिए बहुस्तरीय प्रयास कर रहे हैं. चर्चा है कि बिहार विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद से ही झारखंड की राजनीति में बदलाव की सुगबुगाहट आरंभ हो गई थी.

लालू का नया बंगला बना चर्चा का विषय

बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद जहां एक तरफ राजद के अंदर उठा-पटक शुरू है वहीं दूसरी ओर पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के सरकारी बंगले को बदलने का आदेश राजद के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है. लेकिन इन सबके बीच राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का पटना में कथित तौर पर एकड़ों में निर्माणाधीन नया बंगला सुर्खियों में है.

दिल्ली के राजनीतिक गलियारों में इस बंगले को लेकर खूब चर्चा हो रही है. जहां एक तरफ भाजपा के कई नेता इस बंगले को भ्रष्टाचार की कमाई से जोड़कर लालू परिवार पर निशाना साध रहे हैं वहीं दूसरी ओर राजद के नेता इस विषय पर चुप्पी साधे हुए हैं.

बिहार के बाद पश्चिम बंगाल पर भाजपा की नजर

बिहार विजय के बाद भाजपाई रणनीतिकार पश्चिम बंगाल को साधने की तैयारी में जुट गए हैं. दिल्ली से लेकर कलकत्ता तक पार्टी के वरिष्ठ नेताओं द्वारा स्थानीय नेताओं के साथ बैठकों का दौर जारी है. चर्चा है कि भाजपाई रणनीतिकार संघ के विस्तारकों द्वारा दिए जाने वाली रिपोर्ट को आधार बनाकर पश्चिम बंगाल को सांगठनिक तौर पर कई भागों में बांटकर रणनीति बना रहे हैं. दिल्ली से दो दर्जन से ज्यादा वरिष्ठ नेताओं को पश्चिम बंगाल भेजा गया है. बूथ स्तर की तैयारी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है. मतदाताओं तक सीधा संवाद स्थापित करने के लिए बहुस्तरीय रणनीति बनाई जा रही है.

निशानेबाज

लुभावना होता है अमेरिकन ड्रीम इसीलिए वहां जाता अपना क्रीम

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, हर इंसान नींद में सपना या ड्रीम देखता है. सपने पर किसी का कंट्रोल या चॉइस नहीं है. कैसा भी अजीबोगरीब या बेतुका सपना आ सकता है. फिल्में रंगीन होती हैं लेकिन सपना ब्लैक एंड व्हाइट रहता है.' हमने कहा, 'आप सपने की चर्चा क्यों कर रहे हैं. सपनों की दुनिया में खोए रहेंगे तो जीवन की सच्चाई कैसे जानेंगे? आपको हमारी सलाह है कि स्वप्नदर्शी की बजाय दूरदर्शी बनिए,'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, फिलहाल आप हमें अमेरिकन ड्रीम के बारे में बताइए जिसे कितने ही होनहार भारतीय युवा देखते आए हैं. उस सपने की कौन सी खासियत है? अपने देश के प्रदूषण की बजाय अमेरिका के प्रति आकर्षण क्यों रखा जाता है. हमने कहा, 'जो भी मेरिटोरियस भारतीय होते हैं वह माइटी वंडरलैंड ऑफ वेस्ट यानी अमेरिका जाना चाहते हैं. उनके दिमाग में वहां के शिक्षा संस्थानों में ऊंची पढ़ाई, फिर मोटी सैलरी वाली नौकरी, ग्रीन कार्ड हासिल करना और वहीं दिल लग गया तो अमेरिकी नागरिकता के लिए अप्लाई कर वहां बस जाना जैसे विचार आते हैं. इसे कहते हैं अमेरिकन ड्रीम ! अमेरिका के आईटी उद्योग व चिकित्सा सेवा में आपको कितने ही भारतीय मिल जाएंगे. विश्व के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क ने साफ शब्दों में कह दिया कि अमेरिका को पिछले दशकों में जितना फायदा हुआ है, उसका बड़ा हिस्सा भारतीय टैलेंट की वजह से हुआ है. माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला और गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई जैसे जीनियस इसका जीता-जागता सबूत हैं.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, भारत में फंड तथा अवसरों की कमी, लालफीताशाही की रूकावटें और प्रतिभा की कद्र नहीं होने से यहां के टैलेंटेड युवा अमेरिका जाते रहे लेकिन अब ट्रंप अपने देश के गोरों को नौकरियां देने के पक्ष में हैं. वह रिवर्स माइग्रेशन की बात कह रहे हैं. मतलब यह कि भारतीय, चीनी आदि को वापस उनके देश भेजो. ऐसे में क्या होगा?'

हमने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी को चाहिए कि प्रतिभाशाली भारतीयों को स्वदेश लाने का उपाय करें जो यहां आकर भारत को विश्व में नंबर वन बना दें. इसके लिए उन्हें अमेरिकन ड्रीम की बजाय इंडियन ड्रीम दिखाना चाहिए.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12100

-डॉ. सागर खादीवाला

ऊपर से नीचे

1. वीर, साहसी, निडर 2. सुखं, रक्त के रंग का, माणिक रत्न 3. आश्रय, आसरा, भरोसा 4. कथन, विषय, मामला, वचन 6. लक्ष्मी 7. भार, बोझ, तौल (उर्दू) 8. वह स्थान जहां विचार होने तक अभियुक्त को पहरे में रखा जाता है (उर्दू) 9. उपयुक्त, सही, युक्तिसंगत, उचित 11. कोश, संचित करने का स्थान, धनागार (उर्दू) 13. धनिया मिर्च आदि जो साग में डाले जाते हैं 16. जड़ सहित 17. भाग्य, किस्मत (उर्दू) 18. समझना, गुणा करना 19. अपने बचाव के लिए कही गई झूठी बात

बाएं से दाएं

1. बलपूर्वक, जबरदस्ती, हठपूर्वक (सं.) 4. वाद्य यंत्र 5. अवस्था, दशा, बड़ा कमरा 6. लोकोक्ति 8. एक-दूसरे का रहस्य या गुप्त बात जानने वाला (उर्दू) 10. रक्षक, पहरेदार 12. लवण (उर्दू) 14. मकड़ी का जाल, आंख का एक रोग 15. पपीहे की बोली, कांत, प्रियतम 16. शाश्वत, बहुत दिनों से चला आया हुआ 18. प्रसिद्ध कंटीला पौधा जिसके सुगंधित फूल आते हैं (उर्दू) 20. सिलाई के टांके, संधि 21. ऊपर तक या किनारे तक भरा हुआ 22. नृत्य करना

Solution 12099

आ	लो	क	नी	य		शा	ह
ग	ग	न		अ	द	म	स्त
म		प	द	क		त	
न		टी	स		शो		घु
	का			नि	शा		ड़
आ	ली	शा	न			घू	स
क्रो		सि	ल	सि	ला		वा
श	ला	का		ल	ल	का	र

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में अनावश्यक वाद विवाद होगा. मन में तनाव रह सकता है. व्यर्थ चिन्ताओं से कार्य में व्यवधान आयेगा. व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी. आकस्मिक क्रोध की स्थिति बन सकती है. शुभ समाचार प्राप्त होने का योग है. वर्ष के अन्त में नये स्त्रोतों मेंवृद्धि होगी. रूके कार्यों में गति आयेगी. धार्मिक कार्यों में व्यय होगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को आय के नवीन स्त्रातों में वृद्धि होगी. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों का अधिकारी के सहयोग से लाभ होगा. कर्क राशि के व्यक्तियों को अनावश्यक विवादहो सकता है. सिंह राशि के व्यक्तियों के रूके कार्यों में गति आयेगी. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को शुभ समाचार मिलेगा. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को व्यर्थ का वाद विवाद से मुक्ति मिलेगी. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को भागदौड़ अधिक होगी. अत्याधिक क्रोध की स्थिति न आने दें.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक गौरवर्ण का दुबला पतला, माता पिता का आदर करने वाला होगा. नौकरी एवं व्यवसाय दोनों में अच्छी तरह तरक्की करेगा, गणित एवं विज्ञान के क्षेत्र में अच्छी उन्नति होगी, अपने कार्य में दूसरों का हस्तक्षेप पसंद नहीं करेगा.

मेष- कैरियर की सफ्लता के लिये सही समय का इंजतार करें, धार्मिक कार्यों पर रूचि रहेगी, शारीरिक कष्ट से छुटकारा मिलेगा, पुराना पैसा प्राप्त होगा.

वृषभ- टालमटोल के चलते कामकाज में परेशानी होगी, बुजुर्गों का दिशा निर्देश लाभकारी रहेगा, सावधानी रखकर कार्य करें, हितकर रहेगा.

मिथुन- मांगलिक कार्य संभव है, कार्यक्षेत्र में अपमान हो सकता है, संतान पक्ष को सफ्लता मिलेगी, सहयोग लाभकारी रहेगा, सामाजिक कार्यों में लगाव रहेगा.

कर्क- कामकाज के सिलसिले में यात्रा हो सकती है, वैभव विलासिता के कार्यों में खर्च होगा, बिगड़े कार्यों में सुधार होगा, रोजगार के कार्यों में वृद्धि होगी.

सिंह- मित्रों के साथ मौजमस्ती में समय व्यतीत होगा, आकस्मिक लाभ संभव है, मानसिक शांति मिलेगी, शादी विवाह के कार्यों में सफ्लता का योग है.

कन्या- नजदीकी लोगों के कारण भागदौड़ बढ़ सकती है, आप जोखिम उठाने के लिये तैयार रहेंगे, आय के साधनों में वृद्धि होगी, रोजगार आदि की प्राप्ति होगी.

तुला- आप जैसा चाहेंगे, वैसा हो पाना मुश्किल है, विरोधी वर्ग प्रबल होगा, भागदौड़ अधिक करनी होगी. अनावश्यक विवादों को टालना हितकर रहेगा.

वृश्चिक- घरेलू आयोजन में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे, पुराने पेंडिंग कार्य पूरे होंगे, माता पिता की आशाओं की पूर्ति होगी, व्यापार की स्थिति संतोषजनक रहेगी.

धनु- कानूनी मामले आपसी बातचीत से सुलझेंगे, कामकाज में परिवार का अच्छा सहयोग रहेगा, समय को देखकर कार्य करें, अधिनस्थ लोगों का विरोध बढ़ सकता है.

मकर- बड़ी जिम्मेदारी पूरी होने से प्रसन्नता होगी, पुराना कर्ज चुकता होने की संभावना है, शुभ समाचार मिलेगा, कार्यक्षेत्र में वृद्धि होगी, वाणी प्रभावशाली रहेगी.

कुम्भ- नए सौदे लाभकारी रहेंगे, दौड़धूप से रूका कार्य अच्छी तरह बन जायेगा, भूमि भवन संबंधी मामलों में विजय मिलेगी, वाहन का सुख मिलेगा.

मीन- निजी कार्य को टालने से समस्या बढ़ेगी, झगड़ों से परेशान होकर काम छोड़ने का मन बनेगा, कार्यसिद्धि के लिये दौड़धूप करना होगी, मित्रों का सहयोग मिलेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

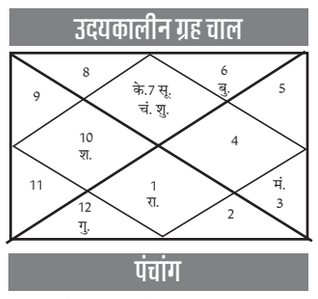

पंचांग

रा.मि. 13 संवत् 2082 मार्गशीर्ष शुक्ल चर्तुदशी गुरूवासरे प्रातः 7/40 तदुपरि पूर्णिमा तिथौ रातअंत 5/18, कृतिका नक्षत्रे दिन 3/5, शिव योगे दिन 1/15, वणिज करणे सू.उ. 6/44, सू.अ. 5/16, चन्द्रचार वृषभ, पर्व- स्नानदान व्रत पूर्णिमा, शु.रा. 2,4,5,8,9,12 अ.रा. 3,6,7,10,11,1 शुभांक- 4,6,0.

व्यापार भविष्य

मार्गशीर्ष शुक्ल चर्तुदशी/ पूर्णिमा को कृतिका नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, के भाव में मंदी की चाल चलेगी, तिल, सरसों, जौ, गुड़, खांड़, चना आदि में मंदी होकर अचानक तेजी होगी. भाग्यांक 3695 है.

SUDOKU 7232

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7231

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7